20 - 26 JAN 2019

Cathedral Calling

Vol. 31 , No. 03

2nd Sunday of the year

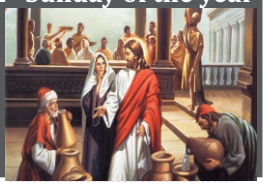

SACRED HEART CATHEDRAL
1, Ashok Place, New Delhi - 110001 23363593/23347304
CONNECT WITH US
sacredheartcathedralnewdelhi@gmail.com www.fb.com/shcdca
www.sacredheartcathedraldelhi.org

PARISH PRIEST'S CORNER

Message by Parish Priest

येसु ने पुकार कर कहा, 'यदि कोई प्यासा हो, तो वह मेरे पास आये। जो मुझ में विश्वास करता है, वह अपनी प्यास बुझाये'। जैसा कि धर्मग्रंथ मे लिखा है – उनके अन्तस्तल से संजीवन जल की नदियाँ बह निकलेंगी (योहन 7:37–38) । येसु ने कहा, यदि कोई प्यसा हो! यही है ईश्वर की उपस्थिति, महसूस करने का रहस्य। यदि कोई ईश्वर की उपस्थिति के लिए प्यासा हो, तो वह उसकी इच्छा पूरी करें। 'धन्य हैं, वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं। वे तृप्त किये जायेंगे (मत्ती 5:6) । यदि हम में ईश्वर की उपस्थिति और धार्मिकता के लिए भूख नहीं है, तो हमारा जीवन व्यर्थ है। येसु ने कहा, मैं दाखलता हूँ और तुम डालियाँ हो। जो मुझ में रहता है और जिस में मैं रहता हूँ, वही बहुत फलता है क्योकि मुझ से अलग रह कर कुछ भी नहीं कर सकते (योहन 15:5)। जिस तरह, पौधे के हरेक अंग तक, उसका जीवन रस दौड़ता है और वह, पौधे का अंग बना रहता है, उसी तरह जो येसु से जुड़ा रहता है, वह येसु के जीवन्त आत्मा से भरपूर रहता है और वह उचित फल लाता है। आज, सारी दुनिया में भले कर्मों का आकाल पड़ गया है और हर जगह, अशुद्धता, जादू–टोना, बैर, फूट, ईर्श्या, स्वार्थपरता, मनमुटाव दलबंदी और मतवालापन––––– प्रत्यक्ष रूप से प्रकट होने लगा है। आखिर ऐसा क्यों होने लगा है? ईश्वर के पुत्र– पुत्रियाँ होने के नाते, हम में स्वर्गीय राज्य के लिए भूख और प्यास होना है, तभी हम येसु से जुड़े जायेंगे। जैसे संत लूकस के सुसमाचार में लिखा है, 'उसने दरिद्रों को सम्पन्न किया और धनियों को खालीा हाथ लौटा दिया है'। यदि हम में से हर–एक को पवित्र आत्मा में भरपूर जीवन जीना है, तो उसे पाने की भूख हम में होना है। स्तोत्रकार कहते है– 'ईश्वर! जैसे हरिणी जलधारा के लिए तरसती है, वैसे मेरी आत्मा तेरे लिए तरसती है। मेरी आत्मा ईश्वर की, जीवन्त ईश्वर की प्यासी है (स्तोत्र 42: 2.3)। यदि हम में पवित्र आत्मा को जानने और उसकी ताकत को अनुभव करने की भूख हो, तो हम अवश्य तृप्त किये जायेंगे। इसायस के ग्रंथ में हम पढ़ते हैं– 'दरिद्र पानी ढूँढ़ते हैं और पाते नहीं, उनकी जीभ प्यास के मारे सूख गयी है'। मैं प्रभु, उनकी दुहाई पर ध्यान दूँगा, मैं इस्राएल का ईश्वर, उन्हें नहीं त्यागूँगा। मैं उजाड़ पहाड़ियों पर से नदियाँ औरर घाटियों में जलधाराएँ बहा दूँगा। मैं प्यासी भूमि को झील बनाऊँगा और सूखी भूमि को जलस्रोतों से भर दूँगा। मैं प्यासी भूमि पर पानी बरसाऊँगा। मैं सूखी भूमि पर नदियाँ बहाऊँगा। मैं तुम्हारे वंशजों को अपना आत्मा और तुम्हारी सन्तति को अपना आर्शीवाद प्रदान करूँगा। अतः स्तोत्रकार भी हम सबों से कहते हैं, धन्य है वह मनुश्य, जो प्रभु का नियम–हृदय से चाहता और दिन–रात उसका मनन करता है। वह उस वृक्ष के सदृश है, जो जलस्रोत के पास जगाया गया, जो समय पर फल देता है, जिसके पत्ते कभी मुरझाते नहीं। वह मनुश्य जो भी करता है, सफल होता है (स्तोत्र 1: 1–3)। येसु में प्यारे भाइयो और बहनो! जेा भूखे और प्यासे हैं, वे अवश्य तृप्त किये जायेंगे। यही है सत्यप्रतिज्ञ ईश्वर का वादा।

SCC MEETIN

St. Michael SCC meeting every month on 4th Thursday at 7:30pm.

Parish Priest
Fr. Lawrence PR
Asst. Parish Priests
Fr. J. John Britto
Fr. Sampath Kumar
&
Dea. Richard

Mass Timings

Saturdays
6.00 (Eng)
Anticipated Mass

Sundays
6.30 am - English
7.30 am - Malayalam
9.00 am - English
10.15 am - Hindi
11.30 am - English
4.00 pm - Hindi
6.00 pm - English

Weekdays
6.30 am- English
1.00 pm - English
6.00 pm - English

* *No mass at 1.00 pm on Saturdays*

Sunday Liturgy
20th Jan 2019

English 9:00am
St. Francis of Assisi
SCC Unit

Hindi 10:15am
S H C youth
SCC Unit

We thank every family who has sponsored the Cathedral Calling till now. Your suggestions and support would be appreciated

SUNDAY READINGS & REFLECTION

1st Reading: Is. 62: 1-5

In this passage we have a poem that praises Zion and depicts her as a woman yearning for her husband and family.

Response Ps: 96

Proclaim the wonders of the lord among all the peoples

2nd Reading: 1 Corth 12: 4 - 11

The Corinthians receive the gifts of the holy Spirit but fail to appreciate them. Paul does agree that there are higher gifts and lower gifts and urges the community to use them for the common good.

Gospel: Lk 2: 1- 12

At the behest of his mother Jesus changes water into wine at the marriage of Cana. The steward is surprised at the superior quality of the wine, but for the disciples it is a manifestation of Jesus' glory.

Prayers of the Faithful:

Lord, bless our families.

REFLECTION

My Hour has not Yet Come

Today's gospel is a cute story which demonstrates the compassion Mary and Jesus had on a bridegroom and his family when they ran out of wine at a wedding feast. When it is preached this way, emphasis is placed upon Mary's intercession to what seems a somewhat reluctant Jesus to do something about it. Mary had become aware that the wine had run out. The groom's family would have done everything to conceal this shameful fact from the bride's family. So by the time Mary had found out about it, the word had already gotten out. The groom and his family were already shamed. Mary came to Jesus knowing that Jesus could fix the problem. At this point, he had done no miracles. Then Jesus says "My hour has not yet come." In the context of the story, it could be understood as saying, "it is not yet the proper time." But Mary is undeterred by the answer and speaks very appropriate words to the servants and us. "Whatsoever he tells you to do, do it." We must be seen as one of the servants to whom Mary speaks. We must obey the words of Jesus.

पहला पाठ : इसायस का ग्रंथ 62 : 1 — 5

नबी इसायस इस्राएल के प्रति ईश्वर के प्रेम का वर्णन करते हैं। ईश्वर येरूसालेम द्वारा सभी राष्ट्रों को ज्योति प्रदान करेगा। यह भविष्यवाणी येसु में पूरी हो जायेगी। येसु मात्र इस्राएल के प्रति नहीं, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रति ईश्वर का प्रेम प्रकट करेंगे।

अनुवाक्यः स्तोत्र 96

सभी राष्ट्रों में प्रभु के अपूर्व कार्यो का गीत सुनाओ।

दूसरा पाठः 1 कुरिं 12: 4 — 11

कलीसिया के प्रारंभ में पवित्र आत्मा विश्वासियों को असाधारण कृपादान दिया करता था। संत पौलुस कुरिंथ के लोगों को समझाते हैं कि वे उन वरदानों के करण घमण्ड न करें, बल्कि सबों के हित के लिए उनका उपयोग करें।

सुसमाचारः संत योहन 12 : 4 — 11

येसु जनता के सामाजिक जीवन से दूर नहीं रहते थे। उन्होने एक विवाहोत्सव का निमंत्रण स्वीकार कर, वहाँ पानी को अंगूरी में बदल दिया। संत योहन इस पर बल देते हैं कि उनके फलस्वरूप उनके शिष्यों ने उनमे विश्वास किया।

विश्वासियों के निवेदन

हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

मनन–चिंतन

अभी तक मेरा समय नहीं आया है

आज का सुसमाचार एक अति सुन्दर घटना को दर्शाता है, जहाँ माता मरियम तथा ईसा का दुल्हे एवं उसके परिवार पर दया करना–जब एक विवाह भोज में अंगूरी समाप्त हो गई थी। जब यह इस तरह शिक्षा देता है, माता मरियम की मध्यस्थता को उपर रखा गया है ,जो जरा सा हिचक प्रकट करता है कि ईसा इस विषय में कुछ करेंगे। माता मरियम को मालुम था कि अंगूरी समाप्त हो गई है। दुल्हे का परिवार दुल्हन के परिवार के सामने लज्जित होने से बचने के लिए बहुत कुछ कर लिया था। समय रहते माता मरियम को इस संकट का पता चल गया था, वचन पहले से ही मिल गया था। दुल्हा एवं उसका परिवार पहले से ही लज्जित था। माता मरियम जानते हुए ईसा के पास आईं कि ईसा इस संकट से निकाल सकते हैं। इस बात पर उन्होंने चमत्कार नहीं किया। तब ईसा ने कहा "अभी तक मेरा समय नहीं आया है"। इस घटना के संदर्भ में, जैसा समझा गया है कहा जा सकता है "अभी तक सही समय नहीं आया है"। परन्तु माता मरियम इस उतर द्वारा भय से नहीं रूकीं और वह बहुत की उपयुक्त वचनों से सेवकों और हम लागों से कहती हैं, "वे तुम लोगों से कुछ कहें, वही करना"। हमें देखना चाहिए जैसे सेवकों में से एक से जिससे माता मरियम बातें करती हैं। हम लोगों को भी ईसा के वचनों का पालन करना चाहिए।

READINGS OF THE WEEK

21/Mon: Heb 5:1-10/ Ps 110:1-4/ Mk 2:18-22
22/Tue: Heb 6:10-20/Ps 111:1-10/ Mk 2:23-28
23/Wed: Heb 7:1-3,15-17/Ps110:1-4/Mk 3:1-6
24/Thu: Heb 7:25-8:6/Ps 40:7-10,17/ Mk 3:7-12
25/Fri: Acts 22:3-16/Ps 117:1-2/Mk 16: 15-18
26/Sat: 2Tim 1:1-8/ Ps 96:1-3,7-10/ Mk 3:20-21
27/Sun: Neh 8:2-10/Ps 18:8-15/1Cor 12:12-30/ Lk1:1-4, 4:14-21

IN THE SACRAMENT OF THE EUCHARIST WE FIND GOD WHO GIVES HIMSELF.

~Pope Francis~

PARISH NEWS

1)Today i.e. 20th January-2019, the **Vocation Promotion Camp** will be held at Sahodaya School, Hauz Khas from 9:30 am to 4:00pm.

2We are bringing out **New Membership** Card in this week. We have prepared a form; all the parishioners will have to fill up the new form and handover it at Help Desk. The new membership Card will be given from January-2019. From January, 2019 onwards Old membership Card will be invalid. This is only for the parishioners of Sacred Heart Cathedral. Last date to submit the new membership form is 27th Jan, 2019.

3)We request all of you to **take care of your belongings** in the Church. While going to receive Holy Communion don't leave your bags/purse/mobiles at the pews.

4)Our Parish is organizing a **pilgrimage to Sardhana** on the 09th of February (Saturday), 2019. Seats in the Buses will be allotted on first come first served basis. The charges inclusive of food and conveyance will be Rs.400 per person. All those who wish to join the pilgrimage to Sardhana are requested to enroll their names with the Catholic Association members. Kindly reserve your seats by the 03th of Feb, 2019.

5)We **appreciate** all members of St. Alphonsa SCC & Our Lady of Mt.Carmel SCC Units for animating the Liturgy for 09.0 am and 10:15 am Mass respectively.

6)Next **Sunday's Liturgy** will be animated by St. Francis of Assisi SCC and SHC Youth SCC Units at 9:00 am and 10:15am mass respectively.

PILGRIMAGE TO SARDHANA
Date: 9th Feb. 2019 at 06:00 am
Last Date for Submitting the name 3rd Feb. 2019

DON'T BE AFRAID TO GO TO THE SACRAMENT OF CONFESSION, WHERE YOU WILL MEET JESUS WHO FORGIVES YOU.

Pope Francis

quiz on wedding at Cana

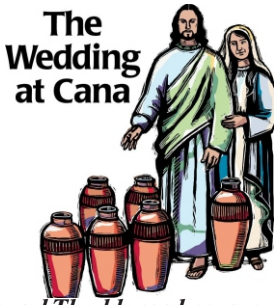

1)Where did Jesus perform his first miracle?
Bethlehem, Cana, Jerusalem, Nazareth

2) What was the occasion?
A bar mitzvah, A funeral, The Passover feast, A wedding

3) What miracle did Jesus perform?
He parted the waters of the Red Sea, He turned water into wine
He raised Lazarus from the dead, He walked on water.

4) What happened as a result of this miracle?
The Holy Spirit descended on Jesus in the form of a dove, James and Thaddaeus became Jesus' disciples, Jesus' disciples put their faith in Him.

5) Who was invited to the marriage in Cana of Galilee?
The Light, Jesus, Peter, Mary

6) Who else accompanied Jesus to the marriage in Cana of Galilee?
Jesus disciples, No man, Mary, Peter

7) How many water pots were available at the wedding of Cana to be filled and what were they made of?
7 Marble, 3 clay, 6 Stone, 5 Brass

8)This act of Jesus at the marriage feast at Cana, was the beginning of what?
Beginning of miracles, The beginning of grace, The beginning of his power.

9) What beverage had run out at the marriage in Cana of Galilee?
Wine, Water, Beer, Juice

10)How much fluid can each of these 6 water pots at the Cana wedding hold?
4 or 5 firkins, 1 firkin, 13 to 24 pounds, 2 or 3 firkins

Francis J. Tunias

R.T.

Mob.: 9818136106
7011364736
Lovely: 9871425079

Specialist in Wedding Cakes
Confectioners & Caterers
with All Kinds of Parties & Events

Shop No 1, Double Story Mehar Chand Market
Lodhi Road, New Delhi-110003

6/22-C, Sarai Kale Khan,
D.D.A. Flats,
New Delhi - 110013

ARCHBISHOPS ANGELO-ALAN AID FOR THE ELDERLY

An initiative by Chetanalaya,
Social action wing of the Archdiocese of Delhi

Goal: To help 60 elderly who are in need
(1 Jan - 31 Dec, 2019)

OLD to GOLD CAMPAIGN

Donate the old News papers/ other papers at the box kept near Maria Bhawan Sacred Heart Cathedral or inform Fr. John Britto (8377820980)

Contact Us: **Chetanalaya**, 9-10 Bhai Vir Singh Marg,
New Delhi-1Ph:011-23744308; 8377820980
chetanalaya@gmail.com www.chetanalaya.org.in

This issue is sponsored by Mr. Suni Samuel